श्यामा शास्त्रि विरचित

नवरत्नमालिका

Compiled and typeset by

P. P. NARAYANASWAMI

©September 2006

1 mInalOcanaa brOva

मीनलोचना ब्रोव

रागं: धन्यासि ताळं: मिश्र चापु

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

मीनलोचना ब्रोव योचना
दीनजनावना अंबा

अनुपल्लवि

गानविनोदिनी नी समानमु
जगान गाननम्मा देवी

चरणम्

कन्नतल्लि गादा ना विन्नपमु विनवम्मा

पन्नगभूषणुनिकि राणी

निन्नुविना इललो दात

वेरेवरुन्नारम्मा बङ्गारु बोम्मा ॥ १॥

इन्दुमुखी नीवु वरमुलोसगि

ना मुन्दु वच्चि दयसेयवम्मा

कुन्दमुकुन्दरदना हिमगिरिकुमारी

कौमारी परमेश्वरी ॥ २॥

सामजगमना नीवु तामसमु सेयक

श्यामकृष्णसोदरी रावे

कामपालिनि भवानी

चन्द्रकळाधारिणी नीरदवेणी ॥ ३॥

2 sarOjadaLanEtri

सरोजदलनेत्रि

रागं: शङ्कराभरणम् ताळं: आदि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

सरोजदळनेत्रि हिमगिरिपुत्रि

नी पदांबुजमुले सदा नम्मिनानम्म
शुभमिम्मा श्री मीनाक्षम्मा

अनुपल्लवि

पराकु सेयक वरदायकी

नीवले दैवमु लोकमुलो गलदा

पुराणी शुकपाणी मधुकरवेणी
सदाशिवुनिकि राणी

चरणम्

कोरि वच्चिन वारिकेल्लनु

कोर्कें लोसगे बिरुदुगदा

अति भारमा नन्नु ब्रोव तल्लि

कृपालवाल ताळजालने ॥ १॥

इन्दुमुखी करुणिञ्चमनि

निनु नेन्तो वेडुकोण्टिनि

नायन्दु जागेलनम्मा

मरियाद गादु दयावती नीवु ॥ २॥

सामगानविनोदिनी गुणधाम

श्यामकृष्णनुता शुक श्यामळा

देवी नीवे गति रति

काम काम्यदा काववे नन्नु ॥ ३॥

3 dEvI mInanEtri

देवी मीननेत्री ब्रोव

रागं: शङ्कराभरणम् ताळं: आदि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

देवी मीननेत्री ब्रोवरावे
दयचेयवे ब्रोवरावम्मा

अनुपल्लवि

सेविञ्चेवारिकेल्लनु चिन्तामणियैयुन्न रा

चरणम्

बाला नीवे गतियनि निन्ने चाला नम्मिन नापै परा-
केला दयचेय नीकिदिमेला दिव्याम्बा

कालादिविराणी सद्गुणशीला कीरवाणि देवि
नील नीरदवेणि त्रिलोकजननी देवी महेश्वरी भवानि ॥ १॥

अम्बा मुखनिर्जित शतधरबिम्बा रक्षितदेवदात-

वम्मा नतनिज सुत गुह हेरम्बाम्बा श्यमळाम्बा

बिम्बाधरि गौरी कादम्बविहारी अम्बा
कम्बुकण्ठी हिमशैलवृक्षपालिका देवी बालाम्बिका अम्बा ॥ २॥

वाणीरमावन्दितरुद्राणी नी साटेवरुकल्-

याणी श्यामकृष्णनुता कीरवाणी शर्वाणी

वीणाविनोदिनी श्रीचक्रकोणनिवासिनि गीर्-
वाणवन्दित पदारविन्दा शिवा देवी कात्यायनी अम्बा ॥ ३॥

4 dEvI nIdu pAdasarasamulE

देवी नीदु पादसरसमुले

रागं: कांभोजि ताळं: आदि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

देवी नीदु पद सारसमुले
दिक्कु वेरे गति एवरम्मा ना

अनुपल्लवि

श्री वेलयु मधुर नेलकोन्न
चिद्रूपिणी श्री मीनाक्षम्मा

चरणम्

अनाथरक्षकि अनेटि बिरुदु

नीकनादि गदा लोकनायकि

धरलो कृपानिधि नीकन्ना एवरम्मा मायम्मा

कन्नाकुल ताळंवित्री नापै

कटाक्षिन्चवे वेगमे

चिन्ना वेदलुनीवु दीर्चि नन्नु
रक्षिन्चुटकिदि समयमम्मा ॥ १॥

कदम्बकाननमयूरी नीवे

गदम्बा शङ्करी

चण्ड दानव मद खण्डिता

मृडानी शुकपाणी कल्याणी

सदा नी ध्यानमु सेयुवारिकि

गदा साम्राज्यमु

चिदानन्द रूपुडैयुन्न श्री
सदाशिवुनि राणी मधुरवाणी ॥ २॥

उमा रमा श्यामकृष्णनुता

गिरिकुमारी नी

समानमेवरु ब्रोव नीकु भारमा

जगत् साक्षि मीनाक्षि

तामसमु जेसिते नीकिदि

न्यायमा इन्त जागेलने

वेमारुनी पद दर्शनमु लभिञ्चि

नी माटलु विनग वच्चितिनम्मा ॥ ३॥

5 marivErE gati

मरिवेरे गति एवरम्मा

रागं: आनन्दभैरवि ताळं: मिश्र चापु

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

मरिवेरे गति एवरम्मा महिलो नन्नु ब्रोचुटाकु

अनुपल्लवि

शरणागतरक्षकि नीवेयनि
सदा नम्मिति नम्मिति मीनाक्षी

चरणम्

मधुरापुरि निलया

वाणी रमा सेवित पदकमला

मधुकैटभ भञ्जनी कात्यायनी
मराळगमना निगमान्त वासिनि ॥ १॥

वरमिच्चि तीव्रमे ब्रोवु शिवा

अंबा इदि नीकु बरुवा

नेर दातवु नीवुगदा शङ्करी
सरोजभवादि नीवे रक्षिंप ॥ २॥

शुकश्यामळा घन-

श्यामकृष्ण सोदरि कौमारी

अकळङ्क कळाधरी बिंबाधरी
अपार कृपानिधि नीवे रक्षिम्प ॥ ३॥

स्वर साहित्यम्

पादयुगमु मदिलो दलचि कोरिति

विनमु मदगज गमना

परुलु नुतिम्पगने वरमोसगु

सततमु निनुमति मरुवकने

मदनरिपु सति ननु हृदयमुलो

गतियनि दलचि स्तुति सलिपिते

मुदमुतो फलमोसगुगुटकु धरलो
नतावन कुतूहल नीवेग

6 mayammA yaninE

मायम्मा यनिने

रागं: आहिरि ताळं: आदि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

मायम्मा यनिने पिलचिते
माट्लाड रादा नातो अंबा

अनुपल्लवि

न्यायमा श्री मीनाक्षम्मा
मीनाक्षिकिदि निन्नुविना वेरे दिक्केवरुन्नारु

चरणम्

सरसिजभव हरि हरनुत सुललित

नी पदपङ्कजमुल स्थिरमनि नम्मिति नम्मिति नम्मितिनि

करुण जूडवे कात्यायनि काळिका भवानि परमेश्वरि

सुन्दरेशु राणि बालाम्बा मधुरवाणि ॥ १॥

विमुतजन पापविमोचनि ओ जननी घननीलवेणि

विदळित दानवमण्डल शमनी वनजलोचना सुधाकरानना

वरदायकि अनयमु निनु कोरियुन्नानम्मा बङ्गारु बोम्मा ॥ २॥

अभयमोसगि नन्नु ब्रोवुमु ओ वरदा निरदातवु गदा

अंबिका बिड्डपै गोप्पग दयरादा अखिललोकजननी

अनाथरक्षकि अनेटि बिरुदु गादा वैभवमुगल श्यामकृष्णसोदरि वीर

शक्ति त्रिपुरसुन्दरि ॥ ३॥

7 nanubrOva lalitA

नन्नु ब्रोवु ललिता

रागं: ललित ताळं: मिश्रचापु

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

नन्नु ब्रोवु ललिता वेगमे
चालु निन्नु नेर नम्मियुन्न वाडुगदा भक्त कल्पकलता

अनुपल्लवि

निन्नुविना एवरुन्नारु गति जननी अतिवेगमे वच्चि

चरणम्

पराकुसेयकने वच्चि कृप सलुप रादा मोर विनवा
पराशक्ति गीर्वाणि वन्दितपदा नी भक्तुडनम्मा सन्ततमु ॥१॥

सरोजभव कमलनाथ शङ्कर सुरेन्द्रनुत चरिता
पुराणि वाणि इन्द्राणि वन्दित राणि अहिभूषणुनि राणि ॥ २॥

मदात्मुलैन दुरात्मजनुलनु कथलनु पोगडि-
सदा ने वराल चुट्टितिरिगिति वेतल नेल्लदीर्चि वरमोसगि ॥ ३॥

सुमेरु मध्य निलये श्यामकृष्णुनि सोदरि कौमारि
उमा श्री मीनाक्षम्मा शङ्करि ओ महाराज्ञि
रक्षिञ्चुटकिदि समयमु ॥ ४॥

8 rAvE parvatarajakumArI

रावे पर्वतराजकुमारि

रागं: कल्याणि ताळं: झंप

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

रावे पर्वतराजकुमारी देवी
नन्नु ब्रोचुटकु वेवेगमे

अनुपल्लवि

नीवे गतियनि नम्मियुण्टि गादा
ना मोरलिडगा जेप्पवम्मा मा तल्लि

चरणम्

धीरकुमार वन्दितपदा

नीरदवेणि त्रिलोकजननि नीवुगदा

नारदादिनुत शुभचरिता उदारगुणवती

पदाब्जमुले शरणण्टि ॥ १॥

मीनलोचनी कृपजूडवम्मा

दीनरक्षकियनि बिरुदु नीकु तगु

दानवरिपु त्०षिणि पुराणि

अभयदानमिय्यवे श्यामकृष्णसोदरि ॥ २॥

9 ma”NgaLam

शङ्करि शङ्करि करुणाकरि

रागं: कल्याणि ताळं: अट

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

शङ्करि शङ्करि करुणाकरि
राजराजेश्वरि सुन्दरि परात्परि गौरि

अनुपल्लवि

पङ्कजदळ नेत्रि गिरिराज कुमारि
परम पावनि भवानि सदाशिव कुटुम्बिनि

चरणम्

श्यामकृष्णसोदरि शिशुं मां परिपालय

शङ्करि करिमुखकुमारजननि कात्यायनि कल्याणि

सर्वचित्तबोधिनि तत्वज्ञानरूपिणि

सर्वलोकाय दिश मङ्गळम्

जयमङ्गळं शुभमङ्गळम्